|  |  |
| --- | --- |
| **(क)** | क्‍या यह सच है कि यूरो जोन संबंधी संकट बढ़ रहा है और इससे देश के पर्यटन क्षेत्र, विदेश व्‍यापार और अन्‍य क्षेत्रों पर असर पड़ा है; |
| **(ख)** | यदि हां, तो तत्‍संबंधी ब्‍यौरा क्‍या है; और |
| **(ग)** | सरकार द्वारा देश पर यूरो जोन संबंधी संकट के असर को कम करने की दिशा में उठाए गए एहतियाती और अन्‍य कदमों का ब्‍यौरा क्‍या है? |

**उत्‍तर**

**वित्‍त मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (श्री नमो नारायन मीना)**

**(क) से (ग):** यूरो जोन में व्‍याप्‍त सॉवरेन ऋण संकट और अधिक विकट होने के संकेत दे रहा है। भारतीय अर्थव्‍यवस्‍था हाल के महीनों में एफआईआई अंतर्वाहों के धीमा होने, स्‍टॉक बाजारों के गिरने, औद्योगिक उत्‍पादन सूचकांक (आईआईपी) के मंद पड़ने, रूपये के मूल्‍य में गिरावट और निर्यातों में आई कमी के जरिए प्रभावित हुई है। लेकिन, आंकड़ों में विदेशी पर्यटकों के आगमन में हुई कोई कमी दिखाई नहीं देती।

वित्‍त मंत्रालय इस स्‍थिति पर कड़ी नजर रखे हुए है। भारतीय रिजर्व बैंक के गवर्नर की अध्‍यक्षता में गठित वित्‍तीय स्‍थिरता और विकास परिषद (एफएसडीसी) की उप-समिति इस मामले में निरंतर मूल्‍यांकन कर रही है।

**\*\*\*\*\***